



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 566]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 29, 1985/अग्राहायण 8, 1907

No. 566]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 29, 1985/AGRAHAYANA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मन्त्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1985

आदेश

क्र. आ. 867 (अ)/18 चक/18कक/आई डी आर. ए./  
85.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय औद्योगिक  
विकास विभाग के आदेश सं. क्र. 613 (अ)/18चक/18कक/  
आई. डी. आर. ए./76, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976 द्वारा इम्प्लिडि  
रिजिस्ट्रेशन कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, कलकत्ता जिसे अब  
भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक कहा जाता है को (जिसे एवं उसने  
पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) बैंक में बंगाल पाटरोज जिमि  
कलकत्ता के स्वामिन्स वाले 15 टगंग रोड, कलकत्ता अंच 3, पल्लाडागा  
राज, कलकत्ता स्थित औद्योगिक उपक्रमों के सम्पूर्ण प्रदत्तों को 15  
दिसम्बर 1976 से पांच वर्षों की अवधि के लिए प्रदूषण करने के लिए  
प्राधिकृत किया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)  
के आदेशों द्वारा उक्त आदेश की अवधि समक्ष-समय पर 30 नवम्बर,  
1985 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है कि अवधि  
अवधि के लिए बहा दी गई थी ।

और केन्द्रीय सरकार ने, यह राय देने पर कि सर्वसाधारण के हित  
में, यह समीचीन था कि प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रमों का  
प्रबन्ध करना जारी रखे, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,  
1951 (1951 का 65) की धारा 18 चक की उप धारा  
(2) के परन्तुक के अधीन एवं आवेदन कलकत्ता उच्च न्यायालय को  
दिया था जिसमें यह प्रार्थना की गई कि ऐसा प्रबन्ध तारीख 28 फरवरी,  
1986 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, की  
और अवधि के लिए जारी रखा जाए ।

और उक्त उच्च न्यायालय ने अपने तारीख 28 नवम्बर, 1985 के  
आदेशानुसार प्राधिकृत व्यक्ति का उक्त दोनों औद्योगिक उपक्रमों का  
प्रबन्ध तारीख 28 फरवरी, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित  
है कि और अवधि तक जारी रखने के लिए अनुज्ञात कर दिया था ।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18 चक के साथ  
पठित धारा 18 चक की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों  
का प्रयोग करते हुए प्राधिकृत व्यक्ति को निर्देश देती है, कि यह 28  
फरवरी 1986 तथा, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और  
अवधि के लिए उक्त दोनों औद्योगिक उपक्रमों का प्रबन्ध करना जारी  
रखे ।

[फाइल सं. 2 (19)/76-मो. ए. एम.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 29th November, 1985

## ORDER

S.O. 867(E)|18FA|18AA|IDRA|85.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 613(E)|18FA|18AA|IDRA|76, dated the 15th September, 1976 the Central Government had authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, now known as Industrial Reconstruction Bank of India, (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the two Industrial Undertakings at 45, Tangra Road, Calcutta, and at 3, Pagladanga Road, Calcutta, owned by Messrs Bengal Potteries Limited, Calcutta, for a period of five years from the 15th September, 1976.

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) for a further period upto and inclusive of the 30th November, 1985.

And whereas the Central Government being of opinion that it was expedient in the interests of the general public that the authorised person should continue to manage the said industrial undertakings, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period upto and inclusive of 28th February, 1986;

And whereas, the said High Court by its Order dated the 28th November, 1985 permitted the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto and inclusive of 28th February, 1986.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA read with section 18AA of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto and inclusive of the 28th February, 1986.

[File No. 2(19)|75-CUS.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.